आज
वाराणसी, १७ सितम्बर, २०१६

गोपी राधा बालिका कालेज में व्याख्यान केंद्र का शुभारम्भ

काशी की मठ परम्परा के अनुशीलन से बच्चों, सामान्य नागरिकों और पर्यटकों को परिचित कराने के लिए इदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र ने शुक्रवार को गोपी राधा बालिका इण्टर कालेज में व्याख्यान केन्द्र का उद्घाटन किया गया। केन्द्र का शुभारम्भ करते हुए रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के परियोजना समन्वयक स्वामी वरिष्ठानन्द ने कहा कि काशी भारतीय संस्कृति का जीवन्त प्रतीक हैं। पूरे भारत की संस्कृति का दर्पण यह नगरी हैं। प्रोफेसर राणा पीबी सिंह ने कहा कि काशी वरूणा के किनारे से धीरे-धीरे दक्षिण की ओर बढ़ती चली आई हैं। वरूणा और असी नदी के बीच में तथा गंगा के तट पर बसी इसी नगरी ने पूरे भारत की संस्कृति को अपने में समेट लिया हैं। उल्लेखनीय है प्रधानमंत्री की प्रेरणा से इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कलाकेंद्र ने गोपीराधा बालिका इण्टर कालेज, रविन्द्रपुरी, हरिश्चन्द्र बालिका इण्टर कालेज, मैदागिन तथा प्रभुनारायण इण्टर कालेज, रामनगर में व्याख्या केन्द्र की स्थापना की हैं, जिसमें क्रमशः कांशी की मठ परम्परा, काशी की संगीत परम्परा तथा रामलीला का विशेष अनुशीलन से बच्चों को परिचित कराने का कार्य किया जायगा। कार्यक्रम में ओंकारनाथ शुक्ल, प्रोफेसर केडी त्रिपाठी, डाक्टर माधुरी पाण्डेय, प्रोफेसर मारुती पाण्डेय, डाक्टर एसपी पाण्डेय, डाक्टर ओपी सिंह, डाक्टर त्रिलोचन प्रधान आदि उपस्थित रहे।

अमर उजाला

वाराणसी। शनिवार • 17 सितम्बर • 2016

दीप प्रज्ज्वलित कर व्याख्यान केंद्र का उद्घाटन करते स्वामी वरिष्ठानंद जी।

गोपी राधा इंटर कॉलेज में शुरू हुआ व्याख्यान

वाराणसी (ब्यूरो)। गोपी राधा बालिका इंटर कालेज रविंद्रपुरी में शुक्रवार को व्याख्यान केंद्र का उद्घाटन रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के परियोजना समन्वयक स्वामी वरिष्ठानंद ने किया। नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र की ओर से ये व्याख्या केंद्र वाराणसी में काशी की मठ परंपरा के अनुशीलन और बच्चों को इससे रूबरू कराने के उद्देश्य से यहां स्थापित किया गया।

काशी व्याख्यानमाला की शुरुआत करते हुए पहला व्याख्यान बीएचयू के प्रो. राणा पीबी सिंह ने काशी के ऐतिहासिक भूगोल पर दिया। केंद्र के परामर्शदाता प्रो. केडी त्रिपाठी ने बताया कि गोपी राधा के अलावा ये केंद्र हरिश्चंद्र बालिका इंटर कालेज व प्रभुनारायण इंटर कालेज रामनगर में स्थापित किया गया है। यहां काशी की मठ परंपरा, संगीत व रामलीला आदि से बच्चों को परिचित कराया जाएगा। इस दौरान ओंकार नाथ, डॉ. त्रिलोचन प्रधान, डॉ. माधुरी पांडेय, प्रो. एमएनपी तिवारी, डॉ. एसपी पांडेय, डॉ. ओपी सिंह मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान
वाराणसी • शनिवार • 17 सितम्बर 2016

संस्कृति की जीवंत प्रतीक है काशी

वाराणसी। काशी भारतीय संस्कृति का जीवंत प्रतीक है। संस्कृति का दर्पण यह नगरी है। ये विचार रामकृष्ण मिशन के स्वामी वरिष्ठानंद के हैं। वह शुक्रवार को गोपी राधा बालिका इंटर कॉलेज में व्याख्या केंद्र का उद्घाटन कर रहे थे।

बीएचयू के प्रोफेसर राणा पीबी सिंह ने काशी के मठों, मंदिरों और आश्रमों का विस्तृत परिचय दिया। कार्यक्रम में संयुक्त शिक्षा निदेशक ओंकार शुक्ल, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के परामर्शदाता प्रो.के.डी.त्रिपाठी, प्रधानाचार्य डॉ.माधुरी पांडेय, प्रो. मारुति नंदन प्रसाद तिवारी, डॉ. एसपी पांडेय, डॉ.ओपी सिंह आदि ने भी विचार व्यक्त किए। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र ने गोपीराधा बलिका इंटर कॉलेज, हरिश्चंद्र बालिका इंटर कॉलेज तथा पीएन सिंह इंटर कॉलेज (रामनगर) में तीन व्याख्या केंद्रों की स्थापना की है, जिसमें काशी की मठ परम्परा, संगीत परम्परा तथा रामलीला से बच्चों को परिचित कराया जाएगा।

राष्ट्रीय
सहारा

वाराणसी
शनिवार, 17 सितंबर 2016

व्याख्या केंद्र का उद्घाटन

वाराणसी। रविंद्रपुरी स्थित गोपी राधा इंटर कालेज में शुक्रवार को नरेंद्र मोदी की सांस्कृतिक परियोजना के अन्तर्गत व्याख्या केंद्र का उद्घाटन किया गया। काशी की मठ परम्परा नामक व्याख्यान केन्द्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के समन्वयक स्वामी वरिष्ठानंद एवं विशिष्ट अतिथि जेडी ओंकार नाथ शुक्ल ने किया। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्य डा.माधुरी पांडेय उपस्थित थे।